

---

# Shri Chidambareshvara Stotram

श्रीचिदम्बरेश्वरस्तोत्रम्

## Document Information

Text title : Chidambereshvarastotram

File name : chidambereshvarastotram.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Latest update : April 4, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Chidambareshwara Stotram

---

### श्रीचिदम्बरेश्वरस्तोत्रम्

---



ॐ कृपासमुद्रं सुमुष्णं त्रिनेत्रं जटाधरं पार्वतीवाम्भागम् ।  
सदाशिवं रुद्रमनन्तऋषं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १ ॥

वायामतीतं कृषिभूषण्डुगं गणेशतातं धनदस्य मित्रम् ।  
कन्दर्पनाशं कमलोत्पलाक्षं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ २ ॥

रमेशवन्द्यं रजताद्रिनाथं श्रीवामदेवं भवदुःखनाशम् ।  
रक्षाकरं राक्षसपीडितानां चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ३ ॥

देवादितेवं जगदेकनाथं देवेशवन्द्यं शशिभण्डयूडम् ।  
गौरीसमेतं कृतविघ्नदक्षं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ४ ॥

वेदान्तवेद्यं सुरवैरिविघ्नं शुभप्रदं भक्तिमदन्तराणाम् ।  
कालान्तकं श्रीकरुणाकटाक्षं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ५ ॥

उमाद्रियापं त्रिगुणात्मभावं गुडात्मजं व्याघ्रपुरीशमाधम् ।  
श्मशानवासं वृषवाहनस्थं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ६ ॥

आद्यन्तशून्यं त्रिपुरारिमीशं नन्दीशमुष्यस्तुतवैभवाढ्यम् ।  
समस्तदेवैः परिपूजिताङ्घ्रिं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ७ ॥

तमेव भान्तं ज्यनुभातिसर्वमनेकऋषं परमार्थमेकम् । ज्यनुभूतिसर्वम्  
पिनाकपाणिं भवनाशहेतुं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ८ ॥

विश्वेश्वरं नित्यमनन्तमाद्यं त्रिलोचनं यन्द्रकलावतंसम् ।  
पतिं पशूनां हृदि सन्निविष्टं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ९ ॥


विश्वाधिकं विषण्णुमुभैरुपास्थं त्रिलोचनं पञ्चमुष्णं प्रसन्नम् ।  
उमापतिं पापहरं प्रशान्तं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १० ॥

कर्पूरगात्रं कमनीयनेत्रं कंसारिमित्रं कमलेन्दुवक्त्रम् ।  
कन्दर्पगात्रं कमलेशमित्रं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ ११ ॥


विशालनेत्रं परिपूर्णागात्रं गौरीकलत्रं हरिदम्बरेशम् ।  
कुबेरमित्रं जगतः पवित्रं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १२ ॥  
कल्याणमूर्तिं कनकाद्रियापं कान्तासमाक्रान्तनिजर्धदृढम् ।  
कर्पिनं कामरिपुं पुरारिं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १३ ॥  
कल्पान्तकालाखितयाज्ञनृत्तं समस्तवेदान्तवथोनिगूढम् ।  
अयुग्मनेत्रं गिरिजासहायं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १४ ॥  
द्विगम्बरं शङ्खसिताल्पडासं कपालिनं शूलिनमप्रथेम् ।  
नागात्मजावक्त्रपयोजसूर्यं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १५ ॥  
सदाशिवं सत्पुरुषैरनेकैः सदार्यितं सामशिरस्सुगीतम् ।  
वैय्याघ्र्यर्माम्बरमुग्रमीशं चिदम्बरेशं हृदि भावयामि ॥ १६ ॥  
चिदम्बरस्य स्त्वनं पठेद्यः प्रदोषकालेषु पुमान् स धन्यः ।  
भोगानशेषाननुभूय भूयः सायुज्यमाप्नोति चिदम्बरस्य ॥ १७ ॥  
इति श्रीचिदम्बरेश्वरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

NA

---

——  
*Shri Chidambareshwara Stotram*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

